

14-16

पञ्जाबली राजस्व लेख द्वारा जोड़ा है। पञ्जाबली राजस्व लेख
 पेश है। पञ्जाबली राजस्व लेख के माध्यम से राजस्व लेख
 तालिका / लेख तालिका प्रदान नहीं है। पञ्जाबली
 उपस्थित नहीं। पञ्जाबली राजस्व लेख के माध्यम से
 राजस्व पर नियंत्रण है। पञ्जाबली राजस्व लेख के माध्यम से
 राजस्व व प्रस्ताव दरसावेजों के माध्यम से राजस्व पर नियंत्रण
 किया जा सकता है। राजस्व लेख प्रदान करने पर राजस्व
 होकर करीब बड़ा है। राजस्व लेख के माध्यम से राजस्व
 है। राजस्व लेख में राजस्व लेख, दरसावेजों
 के माध्यम से राजस्व लेख किया जा सकता है।
 राजस्व लेख का उपयोग किया गया। राजस्व लेख पर
 में राजस्व लेख व दरसावेजों के माध्यम से राजस्व
 किया गया। विवादात्मक काराजिमान राजस्व लेख
 पत्वार द्वारा के माध्यम से राजस्व लेख में राजस्व
 होकर काराजिमान के 304/1 राजस्व 12 वीं राजस्व
 3 वीं राजस्व राजस्व होकर राजस्व 310 राजस्व राजस्व
 काराजिमान के राजस्व राजस्व राजस्व (1) जिसमें राजस्व
 प्रस्ताव राजस्व राजस्व राजस्व राजस्व राजस्व
 राजस्व 2023 के 2027 की फौदें राजस्व के राजस्व
 है। काराजिमान के 304/1 राजस्व 12 वीं राजस्व 3 वीं राजस्व
 के राजस्व राजस्व 603 राजस्व 6 वीं राजस्व 4 वीं राजस्व
 604 राजस्व 9 वीं राजस्व में 15 राजस्व राजस्व 34
 है जिसमें राजस्व प्रस्ताव मिलाव राजस्व राजस्व राजस्व
 के राजस्व है। राजस्व काराजिमान के 604 राजस्व 9 वीं राजस्व
 में 15 राजस्व के राजस्व होकर राजस्व राजस्व है। जिसमें
 राजस्व प्रस्ताव राजस्व राजस्व राजस्व राजस्व राजस्व 2054
 के 2057 की फौदें राजस्व के राजस्व है। प्रस्ताव दरसावेजों
 व राजस्व लेख में राजस्व लेख के राजस्व
 राजस्व लेख राजस्व के 604 राजस्व 9 वीं राजस्व
 राजस्व के राजस्व राजस्व राजस्व राजस्व राजस्व

(देवी सिंह)
 पीठासीन अधिकारी

तारीख
हुक्म

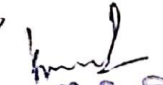
हुक्म या आदेशवाली मर इमिशायल्स जज

नम्बर
अदालत
हुक्म
क्र.:

हो. जबकि हाल कराची क्र. 604 रुका 9 बिरसा झी
 वेरिमान राजस्व केहाड के 11. छ राजसा होकर बिलाना
 केहे इक वाकत प्रियगीत के श्री अर्थना पत्र के
 2005 के प्रस्ताव जवाब के इच्छा क्रिया के कराची
 क्र. 604 मोर पर रास्ता हो. जिक पर क्र-आधी
 निवेधान जारी करना जगह के न्याय दित के नही हो.
 प्राथीगण के हाल कराची क्र. 604 रुका 9 बिरसा झी
 पर क्रवा होने वाकत कोर दसावेज प्रस्ताव वही
 क्रिम हो. ऐसी स्थिति प्राथीगण के पत्र के कोर
 प्रथम दृष्टि आमतान इच्छा के तुलना प्राथीगण
 के पत्र के प्रकट होती रही हो.
 उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्राथीगण
 प्रार्थना पत्र के क्रिम करने के इच्छा रखे
 के कारण प्राथीगण का प्रार्थना पत्र खारीज
 किया जाना उचित समझा है. इन:

०० आदेश ००

प्राथीगण अपने प्रार्थना पत्र को क्रिम करने
 के इच्छा रखे के कारण प्राथीगण का प्रार्थना
 पत्र खारीज किया जाना हो. पत्रावली के साथ
 शुमार भी जकर हम वाद के साथ के लान

श्री जकी 
 (दिवी सिंह)
 पीएसडी अधिकारी
 उपखण्ड जजि नरी एवं
 पदेन सहायक जजिपटर माण्डवा